

Page No. 2.

(1)

भारतीय गैर न्यायिक

दस
रुपये

रु. 10



TEN
RUPEES

Rs. 10

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

17AB 509252

कायालय-उ.

द्वारा नकल

संख्या

प्रत्यक्ष

को के. वि. वि. वि.

495

8654

40/11

20/0

17

6

पदन वाला श्री वीरेंद्र प्रताप सिंह

सुनने वाला श्रीमती अंशु कश्यप

सब प्रतिनिधि

श्रीमती अंशु कश्यप
वार्डमैन

2654/10

(2)

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु. 5000

Rs. 5000

पाँच हजार रुपये

FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

T 309255

प्रदेश UTTAR PRADESH



नाम



नाम



नाम

विक्रय विलेख

1. भूमि का प्रकार : आवासीय
2. परगना / तहसील : देहात अमानत / सदर
3. ग्राम : करौली, जिला वाराणसी।
4. सम्पत्ति का विवरण : आराजी नम्बर मि० 296.
5. मापन की ईकाई : वर्गमीटर
6. आराजी का क्षेत्रफल : 120.86 वर्गमीटर
7. सड़क की स्थिति (परिशिष्ट के अनुसार) : गैर चिह्नित कालोनी सड़क
8. अन्य विवरण (9मीटर रोड/कार्नेर) : लागू नहीं
9. आराजी का प्रकार (प्लॉट/प्लैट/मकान/दुकान) : खुली भूमि
10. आराजी का कुल क्षेत्रफल : 120.86 वर्गमीटर
11. कुल आच्छादित क्षेत्रफल : लागू नहीं



न-इमोली उपाध्याय

न-इमोली उपाध्याय

विशेष प्रताप सिंह
मि० लि०
कृष्ण मुरारी लिवारी
दे० दे० लि०
उ० मि० लि०
वाराणसी

V. M. Shadhiya

V. M. Shadhiya

Rajendra

Rajendra
प्रमाणित
प्रताप सिंह

Rajendra

पदने वाला- श्री श्री ००० नमः
Rajendra
प्रमाणित
(मि० लि०)

उप मि० लि०
वाराणसी

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु. 5000

पाँच हजार रुपये

Rs. 5000

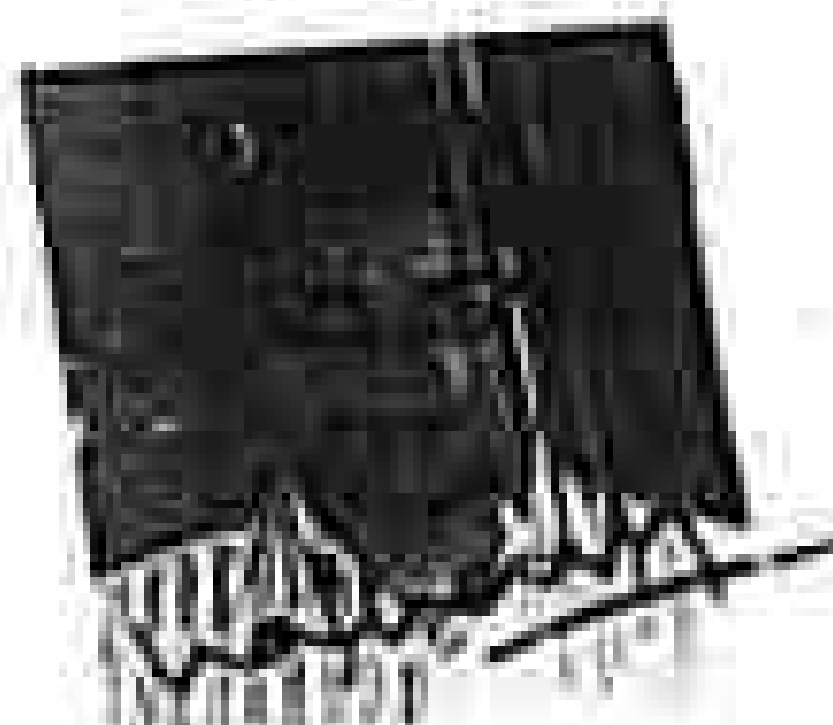
FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

T 309253

प्रदेश UTTAR PRADESH

(2)



- | | |
|--|--------------|
| 12. स्थिति (फिनिश/सेमीफि) | : लागू नहीं |
| 13. पेड़ों का मूल्यांकन | : कुछ नहीं |
| 14. बोरिंग/कुआँ अन्य | : कुछ नहीं |
| 15. निर्मित क्षेत्रफल | : लागू नहीं |
| 16. निर्माण का वर्ष | : लागू नहीं |
| 17. सहकारी आवास समिति के सदस्य से सम्बन्धित है : | नहीं |
| 18. प्रतिफल धनराशि | : 3,00,000/- |
| 19. सरकारी भातियत | : 6,29,000/- |
| 20. देय स्टाम्प | : 44,100/- |

द्वितीय पक्ष की संख्या - (1)

प्रथम पक्ष की संख्या - (6)

नाम/लिफाफा

चन्द्रमौली उपाध्याय

चन्द्रमौली उपाध्याय



V. M. V. Padhyay

Rajesh

hathany



V. M. V. Padhyay

Rajesh

hathany

चन्द्रमौली उपाध्याय

श्री विनोद प्रताप सिंह
नि. लि.
श्री कृष्ण भुवनेश्वरी
द. लि.

उ. लि.
वसुधावती



प्रदेश UTTAR PRADESH

(3)

T 309254

वैतदी :-

पूरब : जुज आराजी मजफूर जो आज बहक
अबुज कुमार डिडवानियां बय हो रही है।

पश्चिम : जुज आराजी मजफूर जो आज बहक श्रीमती
उमा डिडवानियां बय हो रही है।

उत्तर : बहादुरीवारी जैन आश्रम।

दक्षिण : सड़क कालोनी।

नागेश उपाध्याय, रमेश उपाध्याय, चन्द्रमौलि उपाध्याय खुद व
बहैसियत मुस्तारेआम हरिमोहन उपाध्याय, विश्वमोहन उपाध्याय,

राजेन्द्र कुमार उपाध्याय पुत्रगण स्वर्गीय राजमोहन उपाध्याय सभी
निवासीगण मौजा बनौली, परगना चैनपुर, जिला आरा, (शाहाबाद)

बिहार वर्तमान निवासीगण मकान नम्बर बी-33/11 ए-5क,
नरियां, शहर वाराणसी।

प्रथम पक्ष/विक्रेतागण

चन्द्रमौलि उपाध्याय

चन्द्रमौलि उपाध्याय

V. M. Wadhwa

Rajendra

Wadhwa

V. M. Wadhwa

Rajendra

Wadhwa

चन्द्रमौलि उपाध्याय



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

(4)

शशांक केजरीवाल पुत्र श्री गोविन्द केजरीवाल निवासी बी-28/7,
मानस मन्दिर के पास, दुर्गाकुण्ड, शहर वाराणसी।

द्वितीय पक्ष/क्रेता

विदित हो कि प्रथम पक्ष के पिता ज्योतिषाचार्य पंडित राजमोहन
उपाध्याय ने मौजा करौंदी, परगना देहात अमानत, तहसील रुदर, जिला
वाराणसी में स्थित आराजी नम्बर 296, रफवा 1 एकड़ 4 डिसमिल जमीनें
रजिस्ट्रीधुदा बेंचामा मोरखा 10-02-1964 तबिस्ता नादेश्वरी कुंवर गरीरह
मौसूमा खुद बाएज कीमत का मिल कर हासिल किया है बेंचामा
मजकूर का इनाज दफ्तर सब रजिस्ट्रार, वाराणसी में वही नम्बर 1, जिल्द
3784 के पृष्ठ 308/312 पर वनम्बर 878 दिनांक 17-02-1964 को
डुई है। तारीख बेंचामा मजकूर से पिता प्रथम पक्ष आराजी मजकूर पर
बहैसियत तनहां मालिक भूमिधर काबिज दखील रहकर हर फेल मालिकाना
ताहयात खुद अमल में लाते रहे और उनका नाम भी कागजात माल
खतौनी में बहैसियत मालिक भूमिधर बमुजिब बेंचामा मजकूर मुन्दर्ज रहा।

श्री वीरन्द्र प्रताप सिंह
(नि. लि.)
श्रीमती अमृता प्रताप सिंह
(नि. लि.)

उप नि. लि.
वाराणसी

श्री वीरन्द्र प्रताप सिंह
(नि. लि.)
श्री लक्ष्मी प्रताप सिंह
(नि. लि.)

उप नि. लि.
वाराणसी

V. M. Vadhya

V. M. Vadhya

चन्द्रमौली उपाध्याय

चन्द्रमौली उपाध्याय

Chandramouli

Chandramouli

चन्द्रमौली उपाध्याय



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

(5)

T 309244

पिता मजकूर के स्वर्गवास के पश्चात् हम प्रथम पक्ष बयजह होने काबूजी वारिसान व पुत्रागण अपने पिता की समस्त चल अवल जायदाद के मालिकान व काबिज दखीन हुए जुज रकबा आराजी बाजकूर पूर्व में ही मुन्तकिल हो चुका है। आराजी मजकूर का रकबा 0.147 हेक्टेयर, हम प्रथम पक्ष के नाम तनहा बहेसियत संक्रमणीय भूमिधर कागजात माल, खंतीमी में दर्ज है जिस पर हम प्रथम पक्ष बहेसियत मालिकान काबिज दखील रहकर हर फल मालिकाना अमल में लाते चले आ रहे हैं और जो हर बुक्श मिलिकियत से एक साफ व बेखलिश है और जिसके बाबत प्रथम पक्ष/विक्रेतागण को कुछ मुम हक मालिकाना मय हकूक इन्तकालात उर एकसाम हासिल है जो चाहे सो करे सरदेस्त हम प्रथम पक्ष/विक्रेतागण को रुपयों की असद जरूरत बास्ते खर्च खानगी व दीगर कार जरूरियात के दरपेश है और बिना आराजी उपरोक्त को विक्रय किये रुपयों का मिलना व जरूरियात वाला का रफा होना नामुमकिन है लेहाजा प्रथम पक्ष/विक्रेतागण ने उपरोक्त आराजी हसब वृफसील जैल को विक्रय कर अपने जरूरियात मजकूर को रफा करना वाजिब व मुनासिब समझा। बय की बातचीत आम लोगों में चलायी जिस पर द्वितीय पक्ष/क्रेता शशांक केजरीवाल पुत्र श्री गोविन्द केजरीवाल निवासी बी-28/7, मानस मन्दिर के पास, दुर्गाकुण्ड, शहर वाराणसी, प्रथम पक्ष की

श्रीमन् प्रताप सिंह
(नि० लि०)
वकील आराजी
(नि० लि०)

सप/म/II
वाराणसी

नागर

विक्रेतागण

चन्द्रमौली उपाध्याय

चन्द्रमौली उपाध्याय

श्री विमल प्रताप सिंह
(नि० लि०)
श्री मृणाल कुमारी निवासी
(नि० लि०)

V. M. Madhwar

Signature

Signature

वाराणसी

V. M. Madhwar

Signature

Signature

(चन्द्रमौली उपाध्याय)

1



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

(6)

आराजियात मजफूर का जुज हसब तफसील जैल बाएवज कीमत मुबलिंग 3,00,000/- (तीन लाख रुपया) खरीदने को आमादा व तैयार है जो कीमत बलिहाज स्थिति आराजी व मौजूदा बाजार भाव के उचित व मुनासिब हैं तथा इतना या इससे अधिक कीमत देने को कोई दूसरा संकश तैयार नहीं है, अतः प्रथम पक्ष/विक्रेतागण ने आराजी उपरोक्त हसब तफसील जैल को द्वितीय पक्ष/क्रेता उपरोक्त के हक में मुबलिंग 3,00,000/- (तीन लाख रुपया) में विक्रय करने की बातचीत तय व पक्का कर लिया है। प्रथम पक्ष द्वारा आराजी मजफूर के बाबत बहक द्वितीय पक्ष देनामा तहरीर व रजिस्ट्री करने में कोई विधिक अड़चन नहीं है। द्वितीय पक्ष/क्रेता अपने हक में देनामा तहरीर कराने को प्रस्तुत है तिलाजा प्रथम पक्ष/विक्रेतागण आराजी हसब तफसील जैल का विक्रय पत्र बाएवज कीमत मुबलिंग 3,00,000/- (तीन लाख रुपया) कि निस्क जिसका 1,50,000/- रुपया होता है वहक व बदस्त द्वितीय पक्ष/क्रेता मजफूर अपने स्वस्थ मन से प्रसन्नचित होकर बिना किसी जोर या दबाव के तहरीर व तकमील कर अपने को व आने वारिसान व कायम मुकामानों को निम्नलिखित शर्तों से आवड करते व होते हैं :-

श्री विवेक प्रताप सिंह
(निः लिः)
श्री कृष्ण मुनि शिवारी
(निः लिः)

श्री विवेक प्रताप सिंह
(निः लिः)

नाम

श्री विवेक प्रताप सिंह

चन्द्रमौली आर्या

चन्द्रमौली आर्या

चन्द्रमौली आर्या

श्री विवेक प्रताप सिंह
(निः लिः)
श्री कृष्ण मुनि शिवारी
(निः लिः)

श्री विवेक प्रताप सिंह
(निः लिः)

श्री विवेक प्रताप सिंह

चन्द्रमौली आर्या

चन्द्रमौली आर्या

चन्द्रमौली आर्या

8

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु. 5000

Rs. 5000

पाँच हजार रुपये

FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

प्रदेश UTTAR PRADESH

(7)

T 309190

- वह कि प्रथम पक्ष/विक्रेतागण ने कुल तयशुदा कीमत मुबलिया 3,00,000/- (तीन लाख रुपया) बागद कबल तहरीर बैनामा हाजा द्वितीय पक्ष/क्रेता से प्राप्त कर लिया है जिसकी पायती आज बरयक्त रजिस्ट्री बैनामा हाजा रुबरु सब रजिस्ट्रार साहब, वाराणसी स्वीकार करते है। अब द्वितीय पक्ष/क्रेता के जिम्मे बावत जर समन बैनामा हाजा हम प्रथम पक्ष/विक्रेतागण का एक भी पैसा बाकी नही रहा यदि इसके विपरीत प्रथम पक्ष/विक्रेतागण कोई उख या ऐतराज बावत अदायगी जरे समन बैनामा प्रस्तुत कराते है तो वह बमुकाबिले बयनामा हाजा वातिल व बाजायज मुतसब्बर होगा।
- यह कि प्रथम पक्ष/विक्रेतागण ने आज की तिथि में विक्रयशुदा आराजी पर से अपना वास्तविक व मालिकाना कब्जा व दखल हटाकर वास्तविक व मालिकाना कब्जा व दखल द्वितीय पक्ष/क्रेता का करा दिया है जो-जो हक व अख्तियारात हम प्रथम पक्ष/विक्रेतागण को मुत्तालिक आराजी विक्रयशुदा हासिल है वे सभी आज की तिथि से बहक द्वितीय पक्ष/क्रेता मजकूर कतई तौर से बय व मुन्तकिल हो गये। अब द्वितीय पक्ष/क्रेता को हक हासिल है कि विक्रयशुदा आराजी पर बतौर तनहा मालिक काबिज व दखील रहकर उसका पूर्ण रुपेण उपयोग व उपभोग

श्री नीरेन्द्र प्रताप सिंह

(निर्वाहक)

पण्डित

सिंह

नागर

(निर्वाहक)

चन्द्रमौली उपाध्याय

चन्द्रमौली उपाध्याय



V. M. Vachagan

Rajesh

Wafhamy

V. M. Vachagan

Rajesh

Wafhamy

श्री नीरेन्द्र प्रताप सिंह

श्री कल्याण मुगारी

सु. नि.

वस.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

(8)

T 309189

अपने मनमानी करे अथवा जो चाहे सो करे इसमें प्रथम पक्ष/विक्रेतागण को न कोई हस्तक्षेप है न आईन्दा होगा।

3. वह कि अब द्वितीय पक्ष/क्रेता को एक हासिल है कि विक्रेतागण आराजी पर से माल व अन्य सत्कारी कागजातों से प्रथम पक्ष/विक्रेतागण का नाम छारिज कराकर उस पर अपना नाम जतोर तनहां मालिका को दर्ज करवा लेंगे व मालगुजारी घंटेरह जो भी आपट हो उसे जमाकर अपने नाम से रसीद हासिल किया करें। आज के पहले के देवों के अदायगी की जिम्मेदारी प्रथम पक्ष/विक्रेतागण की होगी।

4. वह कि विक्रेतागण आराजी हर तरह के वारदेव मुकस निष्क्रियत आदि से पाक पाक है, कहीं किसी तरह से रेशन बंधक, बस, सट्टा, कुर्मी, जमानत, मुकदमेबाजी, अवांति आदि से प्रभावित नहीं है। प्रथम पक्ष/विक्रेतागण के स्वामित्वाधिकार में किसी प्रकार का कोई दोष नहीं है। नर केलाफ इसके आराजी विक्रेतागण में किसी प्रकार का कोई मुकस पाटा जावे जिसकी वजह से या वजह फेल ब्याह तर्ज फेल हम प्रथम पक्ष/विक्रेतागण कुल ब्याह जुज आराजी विक्रेतागण पर से द्वितीय पक्ष/क्रेता मजदूर का कच्चा दखल लिखल जावे या कोई बार मुतालिक

मुझे माला-श्री विवेक प्रताप सिंह

मुझे माला-श्री कृष्ण गुरारी

माला-श्री कृष्ण गुरारी

माला-श्री विवेक प्रताप सिंह

माला-श्री कृष्ण गुरारी

उ.प्र. 11
वाराणसी

माला-श्री कृष्ण गुरारी

माला-श्री कृष्ण गुरारी

माला-श्री कृष्ण गुरारी

माला-श्री कृष्ण गुरारी

माला-श्री कृष्ण गुरारी

माला-श्री कृष्ण गुरारी

माला-श्री कृष्ण गुरारी

माला-श्री कृष्ण गुरारी

माला-श्री कृष्ण गुरारी

माला-श्री कृष्ण गुरारी

माला-श्री कृष्ण गुरारी

16



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

(9)

K 249318

आराजी नजकूर अदा करना पड़े तो यह सूरत द्वितीय पक्ष/क्रेता मजकूर को हक हासिल है व होगा कि कुल जरे समन पैनामा मय हर्जा खर्चा ख्वाह जिस कदर नुकसानी हो मय सूद दो रुपया सैकड़ा माहवारी एम प्रथम पक्ष/विक्रेतागण की जात व जायदाद से वसूल कर लेवे।

5. यह कि विक्रयथुदा आराजी आवासीय है और आवासीय प्रयोजन हेतु क्रय की जा रही है। विक्रयथुदा आराजी का रजिस्टर्ड सददा किसी पक्ष के हक में नहीं हुआ है। विक्रयथुदा भूमि बशकल खुली आवासीय भूमि है जिस पर और किसी तरह का कोई निर्माण नहीं है।

6. यह कि प्रथम पक्ष के मुक़िर/विक्रेता हरिमोहन उपाध्याय ने कितना मुख्तारनामा आम दिनांकित 28-06-2010 वहक सगे भाता प्रथम पक्ष के मुक़िर/विक्रेता चन्द्रमौलि उपाध्याय तहरीर कर पंजीकृत कराया है जिसका इन्द्राज दफ्तर सब रजिस्ट्रार, द्वितीय, वाराणसी में पुस्तक संख्या 4, खण्ड 81 के पृष्ठ 239 लगायत 248 पर बनम्बर 215 दिनांक 28-06-2010 को हुई है जो अद्यतन कायम व प्रभावी है और मुक़िर चन्द्रमौलि उपाध्याय खुद य बहेसियत मुख्तारेआम हरिमोहन उपाध्याय पैनामा हाजी तहरीर कर पंजीकृत करा रहा है।

माला-दा-सिंह
(सं. नि. ६)
विक्रेता-चन्द्रमौलि
(सं. नि. ६)

उत्तर प्रदेश







चन्द्रमौलि उपाध्याय

चन्द्रमौलि उपाध्याय
चन्द्रमौ

श्री विवेक प्रताप सिंह
(सं. नि. १०)
श्री कृष्ण मुरारि सिंह
(सं. नि. १०)
23-06-2010

V. M. Chaudhary

Rajendra

Chaudhary

च. नि. ११
वाराणसी

V. M. Chaudhary

Rajendra
Chaudhary

Chaudhary



उत्तर प्रदेश UTAR PRADESH

(10)

K 249317

7. यह कि विक्रयधुदा आराजी नगर भूमि सीमारोपण अधिनियम 1976 की धारा 10(3) व 10(5) के किसी प्राविधानों से प्रभावित नहीं है। विक्रयधुदा आराजी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के किसी सदस्य की नहीं है। पक्षगण भारतीय नागरिक है व उनके नाम व पते अंकित बैंगाना हाजा वास्तविक व सही है।
8. यह कि विक्रयधुदा जायदाद सामान्य पक्की सड़क पर बाका है और जिलाधिकारी द्वारा चिह्नित किसी मार्ग पर स्थित नहीं है तथा नगर निगम बागणसी सीमा के बाहर देहात के अधिकसित आवासीय क्षेत्र में स्थित है।
9. यह कि सरकारी दर से विक्रीत आराजी ने भूमि की कीमत रु 250 5200/- प्रति वर्गमीटर की दर से 120.86 वर्गमीटर का रु 250 6,28,472/- रुपया होती है जिसके पूर्णांक मु 6,29,000/- रुपये पर स्टाम्प नियमावुसार मु 44,100/- रुपये का अदा किया जा रहा है।
10. यह कि प्रथम पक्ष/विक्रेतागण ने कुल मजमून बैंगाना हाजा को बख्शी पड़ व पक्काकर चुन व समझकर इसके विधिक प्रभाव से भंती-भांति अलगत होकर वहक द्वितीय पक्ष/क्रेता मजकूर तहरीर किया है जिसकी

श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह
(नि. लि.)
श्रीमती ३ पार्षदा
(नि. लि.)

मंलिग

सम. नि. लि.
वाराणसी

श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह

श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह

सम. नि. लि.
वाराणसी

V. M. Vaidhyar

V. M. Vaidhyar

V. M. Vaidhyar

V. M. Vaidhyar

V. M. Vaidhyar



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

(11)

K 249316

पूरी पाकड़ी प्रथम पस/विकेतागण व धारिमान व कायम मुकामान
प्रथम पस पर है व रहेगी।
इस सारने प्रथम पस/विकेतागण ने यह तहरीर बतौर बयनामा
लाकलामी के बहक द्वितीय पस/केला लिख दिया कि प्रमाण रहे व समय पर
काम आवे।

विवरण आराजी विक्रयशुदा

आराजी नम्बर मि० 296, रकबा 0.147 हेक्टेयर में से रकबा

1300.47 वर्गफीट यानि 120.86 वर्गमीटर याका मीजा -

करौंदी, परगना देहात अमानत, तहसील सदर, जिला वाराणसी जिसे

संलग्न नक्शे में लाल रंग की तिरछी लकीरों से दर्शाया गया है व

जिसकी चतुर्दिक सीमाएं निम्नलिखित हैं :-

गला-श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह
(नि० लि०)
गला-श्रीमती आशुतोष
(नि० लि०)

लिपि
हय १०-११
वाराणसी

नागर



चन्द्रमौली उपाध्याय

चन्द्रमौली उपाध्याय

गला-श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह

गला-श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह

नागर
V. M. Vadhyaag

Rajendra

उ० मि० ११
वाराणसी

V. M. Vadhyaag

Rajendra

चन्द्रमौली उपाध्याय

हय १०-११

हय १०-११

13



उत्तर प्रदेश UTAR PRADESH

(12)

K 249315

पूर्व : जुज आराजी मजकूर जो आज बहक
 अनुज कुमार डिडवानिया बय हो रही है।
 पश्चिम : जुज आराजी मजकूर जो आज बहक
 श्रीमती उमा डिडवानिया बय हो रही है।
 उत्तर : चहारदीवारी जैन आश्रम।
 दक्षिण : सड़क कातोवी।

तहरीर तारीख :- 03-12-2010.

मवातान :-

1. नाम : Ashok K. Pandey
 पिता का नाम : Shri K. Pandey
 पूरा पता : K-61/96 Bulandshahr VARANASI
 हस्ताक्षर : A.K. Pandey.

श्री श्री विरिन्द्र प्रताप सिंह
 (नि. लि.)
 श्री श्री कृष्ण मुरारी
 (नि. लि.)

03-12-10
 जारीकर्ता

नाम

V. M. Vaidhyay

चन्द्रमौली उपस्थित

चन्द्रमौली उपस्थित

श्री श्री विरिन्द्र प्रताप सिंह
 (नि. लि.)
 श्री श्री कृष्ण मुरारी
 (नि. लि.)

उ. नि. लि.
 वाशिंगटन

V. M. Vaidhyay

Rajesh

Rajesh

Wafanay

Wafanay

14

CHIEF TITHE OFFICE
VARANASI
10 NOV 2010

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

ONE
HUNDRED RUPEES

रु. 100



भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

(13)

AL 520253

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

2. नाम : Chamelava Shekhara Giri
पिता या नाम : Sri Navellal Giri
पूरा पता : Q. No T.6. B. Jhadevan Chungi
Rajchit Varanasi
हस्ताक्षर : Cheli

मसविदाकर्ता :-

एडवोकेट
कलेक्ट्रेट कोर्ट, वाराणसी।

साक्षरकर्ता :-

मनोज यादव
मनोज यादव
संख्या नं० 5, कलेक्ट्रेट कचहरी, वाराणसी।

मसविदाकर्ता :-
साक्षरकर्ता :-

V.M. Vadhya

Rajendra

Wafanay

V.M. Vadhya

Rajendra

Wafanay

पढ़ने वाला श्री विरन्धरा
सुनने वाला श्री कृष्ण

Wafanay

उप नि० 11
वाराणसी

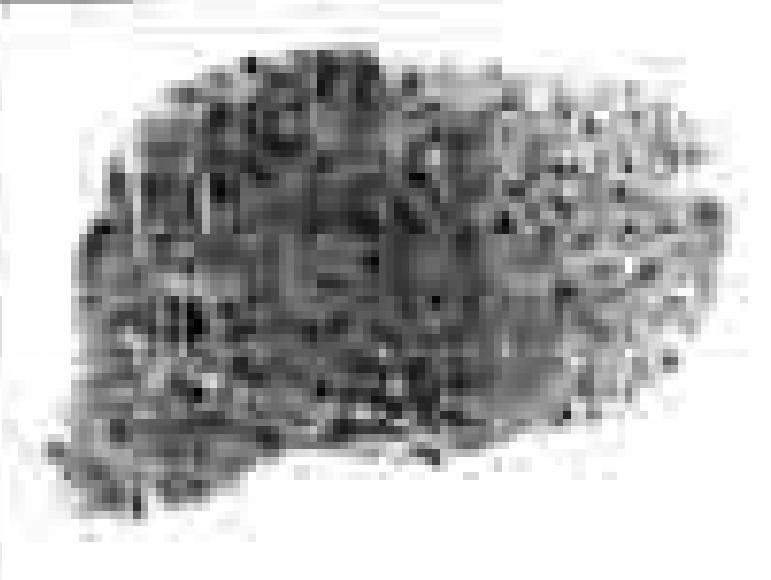
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम की धारा ३२ (ए) के अन्तर्गत
निष्पादनकर्ताओं की अंगुलियों के सुस्पष्ट चिन्ह

नाम निष्पादन कर्ता/विक्रेता

दाहिने हाथ का

				
अंगुष्ठिका	तर्जनी	मध्यमा	अनामिका	कनिष्ठिका

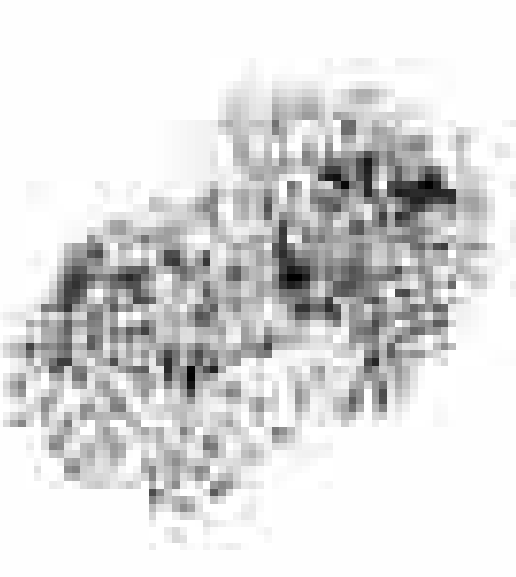
बायें हाथ का

				
अंगुष्ठिका	तर्जनी	मध्यमा	अनामिका	कनिष्ठिका

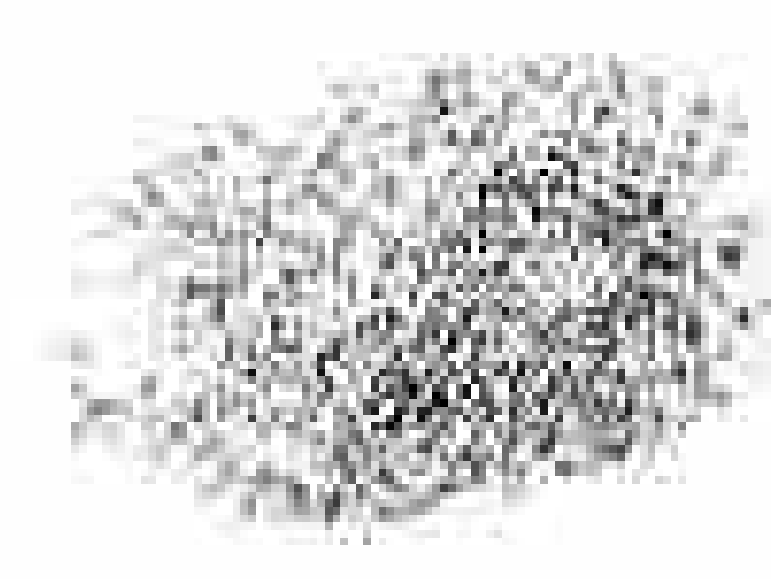
हस्ताक्षर

नाम निष्पादन कर्ता/विक्रेता

दाहिने हाथ का

				
अंगुष्ठिका	तर्जनी	मध्यमा	अनामिका	कनिष्ठिका

बायें हाथ का

				
अंगुष्ठिका	तर्जनी	मध्यमा	अनामिका	कनिष्ठिका

पढ़ने वाला-श्री विनोद प्रताप सिंह
निकाली
सुनने वाला-श्री कृष्ण मुगली
निकाली

हस्ताक्षर
पढ़ने वाला-श्री विनोद प्रताप सिंह
(निकाली)
सुनने वाला-श्री कृष्ण मुगली
(निकाली)

(16)
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम की धारा ३२ (ए) के अन्तर्गत
निष्पादनकर्ताओं की अंगुलियों के सुस्पष्ट चिन्ह

नाम निष्पादन कर्ता/विशेषता

दाहिने हाथ का

अंगुष्ठिका	तर्जनी	मध्यमा	अनामिका	कनिष्ठिका

बायें हाथ का

अंगुष्ठिका	तर्जनी	मध्यमा	अनामिका	कनिष्ठिका

नन्दमौली उपाध्याय
हस्ताक्षर

नाम निष्पादन कर्ता/विशेषता

दाहिने हाथ का

अंगुष्ठिका	तर्जनी	मध्यमा	अनामिका	कनिष्ठिका

बायें हाथ का

अंगुष्ठिका	तर्जनी	मध्यमा	अनामिका	कनिष्ठिका

V. M. Vadhvani
हस्ताक्षर

पढ़ने वाला-श्री विरेंद्र प्रताप सिंह

सुनने वाला-श्री कृष्ण प्रताप सिंह

उ० गि० II
न० १११७९३

पढ़ने वाला-श्री वीरेंद्र प्रताप सिंह

सुनने वाला-श्री कृष्ण प्रताप सिंह

हस्ताक्षर

व. म. वधवनी

भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम की धारा ३२ (८) के अन्तर्गत
निष्ठाद्वयकर्ताओं की अंगुलिचौं को सुरक्षित दिवह

नाम निष्ठाद्वय कर्ता/विश्रेता

बाहिने हाथ का

अंगुष्ठका	तर्जनी	मध्यमा	अनामिका

कनिष्ठमा

बाये हाथ का

अंगुष्ठका	तर्जनी	मध्यमा	अनामिका

कनिष्ठमा

नाम निष्ठाद्वय कर्ता/विश्रेता

बाहिने हाथ का

अंगुष्ठका	तर्जनी	मध्यमा	अनामिका

कनिष्ठका

बाये हाथ का

अंगुष्ठका	तर्जनी	मध्यमा	अनामिका

कनिष्ठका

हस्ताक्षर

पढ़ने वाला-श्री विरेश प्रताप सिंह
सुनने वाला-श्री कृष्ण सुन्दर सिंह

उ० नि० ११
वाराणसी

पढ़ने वाला-श्री विरेश प्रताप सिंह
सुनने वाला-श्री कृष्ण सुन्दर सिंह

सत्य प्रमाणित

भारतीय गैर न्यायिक

पाँच रुपये

FIVE RUPEES



रु. 5

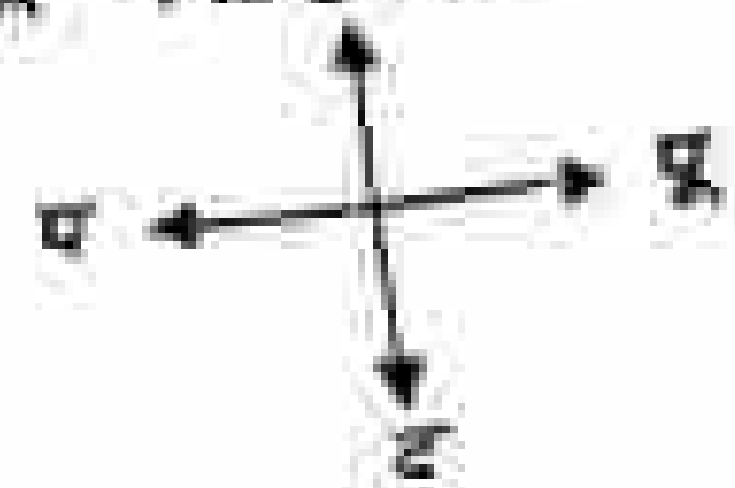
RS. 5

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

17AA 923927

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH
आराजी नम्बर मि 0 296. रकबा 0.147 हेक्टेयर में से रकबा
1300.47 वर्गफीट बाकि 120.86 वर्गमीटर बाका मौजा -
करींदी, पहावा देहात अमानत, तहसील सदर, जिला वाराणसी।



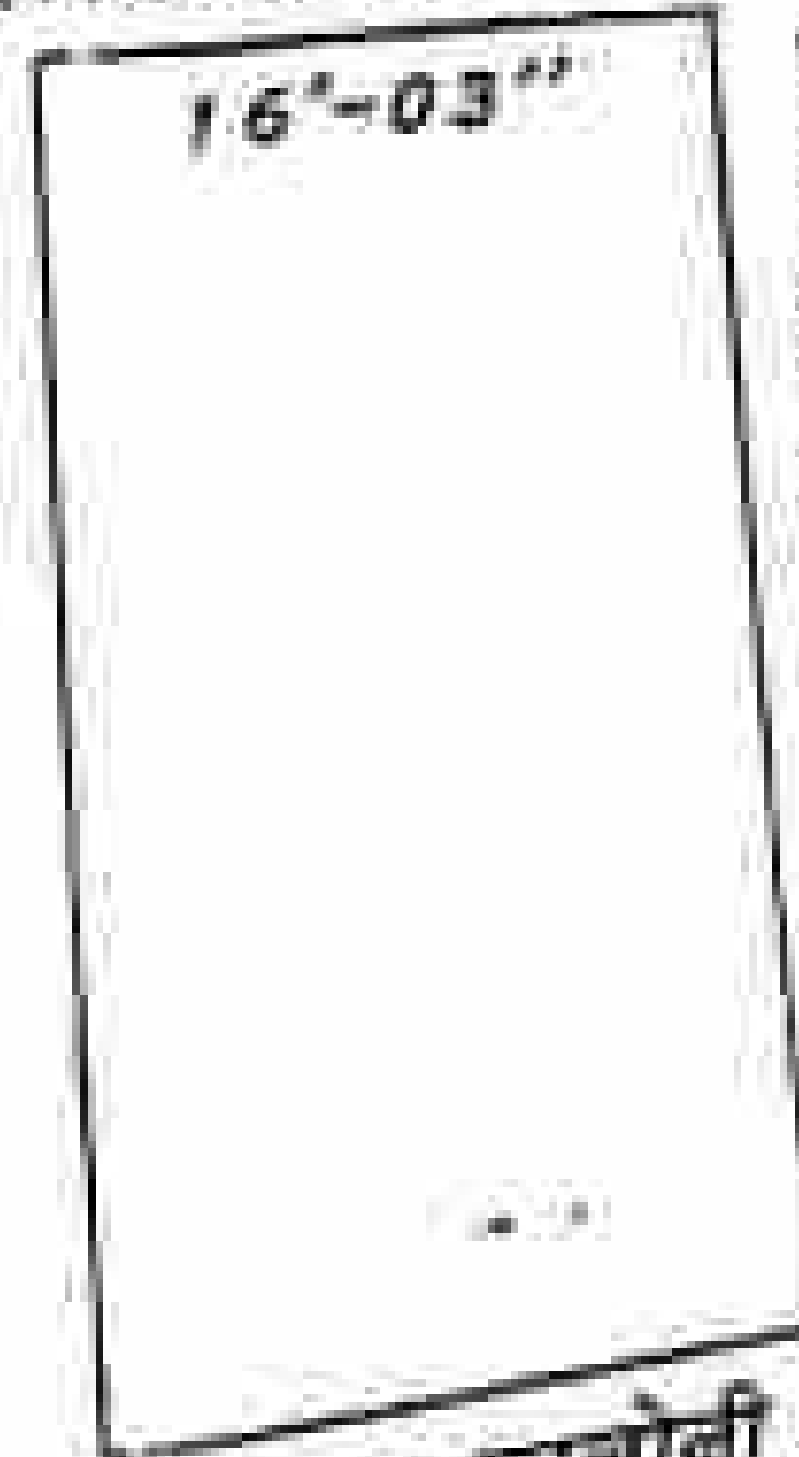
वहादीवारी जैन आश्रम

ने वाला-श्री विरेन्द्र प्रताप सिंह
ने वाला-श्री कृष्ण गुप्ता सिन्हा
दो 40 दिना

उ० मि० ११
ज० २५

31210

पुन आराजी मजदूर जो आज बहक
भीमती उमा डिवायिया बय हो रही है।



सुख आराजी मजदूर जो आज बहक
अनुज कुमार डिवायिया बय हो रही है।

सड़क कालोली

सिमा ५५५

सड़क कालोली उपाध्याय

सड़क कालोली उपाध्याय

Printed by: Manoj Yadav
City: Varanasi

V. M. Padhyay

V. M. Padhyay

Rajendra

Rajendra

Wafar

Wafar

Wafar

Wafar